नंद घर बाजी रे बाजी बधाई

तर्ज :- हमारो धन राधा

नंद घर बाजी रे बाजी बधाई
नन्द घर जन्मे कृष्ण कन्हाई

1. परिपूर्ण ब्रह्म लीला अवतारी
नारायण बने कृष्ण मुरारी
महिमा वेद पुराणन गाई, नंद घर ...

2 . गोकुल वासी ख़ुशी मनावें
मंगल गीत बधाइयां गावें
बाज रहे बाजे ढोल शहनाई, नंद घर ...

3 . नीलमणी घनश्याम सलोना
सुंदर सोहना मन का मोहना
शोभा कान्हा की वर्णी न जाई, नंद घर ...

4 . "मधुप" हरी यशोधा का ललना
पलना झूल रहा नंद नंदना
गूंज रही जय जयकार कन्हाई, नंद घर ...

नंद घर बाजी रे बाजी बधाई
नन्द घर जन्मे कृष्ण कन्हाई।

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33088/title/nand-ghar-baaji-re-baaji-badhai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |